हिन्दी दैनिक
अवधनामा
www.avadhnama.com

सूर्योदय : 5:57
सूर्यास्त : 5:56
अधिकतम तापमान : 27.0
न्यूनतम : 24.0

RNI NO : UPHIN/2010/31173
डाक पंजीकरण संख्या:
SSP/LW/NP-422/2014-2016
वर्ष-18 अंक-120 पेज-16
मूल्य : 3 रुपया
लखनऊ, रविवार, 20 अक्टूबर 2024
16 रबीउस्सानी 1446 हिजरी

दीक्षारंभ कार्यक्रमः नवांगन्तुक छात्रों से विस्तृत चर्चा की गई

अवधनामा ब्यूरो

इटावा। चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर के अधीन संचालित कृषि अभियंत्रण महाविद्यालय, दुग्ध प्रौद्योगिकी महाविद्यालय एवं मत्स्य महाविद्यालय में नव प्रवेशित छात्रों के लिये आई0सी0ए0आर, नई दिल्ली द्वारा जारी छठें डीन्स समिति की रिपोर्ट इसी सत् से लागू कर दी गई है। इस पाठ्यक्रम में प्रस्तावित दो सप्ताह के कोर्स 'दीक्षारंभ'कार्यक्रम दिनांक 14.10. 2024 से डॉ0आनंद कुमार सिंह के निर्देशन मे प्रारम्भ हो गया है। इस कायक्रम के अन्तर्गत दिनांक 19.10.2024 को समयसारणी के अनुरूप छात्रों को एकेडेमिक एवं शोध मैनेजर के साथ इन्टरैक्शन विषय पर महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा.एन. के.शर्मा ने नवांगन्तुक छात्रों को शोध परिणामों को शिक्षण के साथ कैसे एकीकरण किया जा सकता है, विषय के साथ ही छात्र-छात्राओं को खोज, अविष्कार एवं नवाचार अपने मूल सिद्धान्तों और परिणामों में भिन्नता एवं नवाचार को अपनाकर अपने राष्ट्रनिर्माण में योगदान विषय पर विस्तृत चर्चा की। शनिवार को उक्त विषयक चर्चा के लिए शहर के प्रतिष्ठित विद्वाव प्राध्यापक डा.महेन्द्र सिंह, प्रचार्य, के0के0डिग्री कालेज ने छात्र-छात्राओं के अपने जीवन में किसी भी कार्य को पूरा करने के लिये वैज्ञानिक अप्रोच अपनाने पर जोर दिया। साथ ही उन्होंने विज्ञान के क्षेत्र में विभिन्न खोजों के बारे में विस्तार से बताते हुये उनके अनुप्रयोग के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर डेयरी टेक्नालॉजी, फिसरीज साइंस के छात्र नमन तिवारी, कैफी कोसर एवं मनीष सिंह इत्यादि ने भी अपने सुझाव प्रस्तुत किये। इस सत्र में ई0एम0ए0 हुसैन, डा0श्वेता दुबे, ई0नीरजा शर्मा, ई0 पीयूष कुमार, डा.आशुतोष लोहवंशी भी उपस्थित रहे।

इंजीनियरिंग कॉलेज में दीक्षारंभ कार्यक्रम में शामिल छात्र-छात्राओं के साथ अधिष्ठाता डॉ. एनके शर्मा साथ में

इंजीनियरिंग कॉलेज में संपन्न हुआ दीक्षारंभ

संवाद न्यूज एजेंसी

इटावा। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर के अधीन संचालित कृषि अभियंत्रण महाविद्यालय, दुग्ध प्रौद्योगिकी महाविद्यालय एवं मत्स्य महाविद्यालय में नव प्रवेशित छात्रों के पाठ्यक्रम में प्रस्तावित दो सप्ताह के कोर्स दीक्षारंभ कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

अधिष्ठाता डॉ. एनके शर्मा ने छात्रों को शोध परिणामों को शिक्षण के साथ एकीकरण के बारे में जानकारी दी। उन्होंने विषय के साथ ही छात्र-छात्राओं को खोज, अविष्कार एवं नवाचार अपने मूल सिद्धांतों और परिणामों में भिन्नता एवं नवाचार को अपनाकर अपने राष्ट्रनिर्माण में योगदान विषय पर विस्तृत चर्चा की गई। कार्यक्रम में चर्चा के लिए केके डीसी के प्राचार्य डॉ. महेंद्र सिंह ने छात्र-छात्राओं के अपने जीवन में किसी भी कार्य को पूरा करने के लिये वैज्ञानिक तरीकों को अपनाने पर जोर दिया।

साथ ही उन्होंने विज्ञान के क्षेत्र में विभिन्न खोजों के बारे में विस्तार से बताया। हुये उनके अनुप्रयोग के बारे में विस्तार से जानकारी दी। छात्र नमन तिवारी, कैफी कोसर एवं मनीष सिंह इत्यादि ने भी अपने सुझाव प्रस्तुत किए। एमए हुसैन, डॉ. श्वेता दुबे, नीरजा शर्मा, पीयूष कुमार, डॉ. आशुतोष लोहवंशी रहे।

XIAOMI 11i | SHO
अमर उजाला, रविवार(20/10/2024)

दीक्षारंभ कार्यक्रम में राष्ट्र निर्माण
में योगदान विषय पर हुई चर्चा

न्यूज वाणी ब्यूरो

इटावा। चन्द्रशेखर आजाद .षि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित .षि अभियंत्रण महाविद्यालय, दुग्ध प्रौद्योगिकी महाविद्यालय एवं मत्स्य महाविद्यालय में नव प्रवेशित छात्रों के लिये आईसीएआर, नई दिल्ली द्वारा जारी छठें डीन्स समिति की रिपोर्ट इसी सत्र से लागू कर दी गई है। इस पाठ्यक्रम में प्रस्तावित दो सप्ताह के कोर्स दीक्षारंभ कार्यक्रम 14 अक्टूबर से डॉ० आनंद कुमार सिंह के निर्देशन मे प्रारम्भ हो गया है। इस कायक्रम के अन्तर्गत शनिवार को समयसारणी के अनुरूप 11 बजे से लेकर 01 बजे तक छात्रों को एकेडेमिक एवं शोध मैनेजर के साथ इन्टरैक्शन विषय पर महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा0 एन0के0 शर्मा ने नवांगन्तुक छात्रों को शोध परिणामों को शिक्षण के साथ कैसे एकीकरण किया जा सकता है, विषय के साथ ही छात्र–छात्राओं को खोज, अविष्कार एवं नवाचार अपने मूल सिद्धान्तों और परिणामों में भिन्नता एवं नवाचार को अपनाकर अपने राष्ट्रनिर्माण में योगदान विषय पर विस्तृत चर्चा की। आज उक्त विषयक चर्चा हेतु शहर के प्रतिष्ठित विद्वाव प्राध्यापक डा0 महेन्द्र सिंह, प्रचार्य, के0के0 डिग्री कालेज ने छात्र–छात्राओं के अपने जीवन में किसी भी कार्य को पूरा करने के लिये वैज्ञानिक अप्रोच अपनाने पर जोर दिया। साथ ही उन्होंने विज्ञान के क्षेत्र में विभिन्न खोजों के बारे में विस्तार से बताते हुये उनके अनुप्रयोग के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर डेयरी टेक्नालॉजी, फिसरीज साइंस के छात्र नमन तिवारी, कैफी कोसर एवं मनीष सिंह इत्यादि ने भी अपने सुझाव प्रस्तुत किये। इस सत्र में ई0 एम0ए0 हुसैन, डा0 श्वेता दुबे, ई0 नीरजा शर्मा, ई0 पीयूष कुमार, डा0 आशुतोष लोहवंशी भी उपस्थित रहें।